दो दिवसीय

राष्ट्रीय-कार्यशाला

09-10 सितंबर, 2018

हिमालयी क्षेत्र : भू-राजनैतिक स्थिति एवं महत्व

आयोजक

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर, एवं

बिलासपुर विश्वविद्यालय, बिलासपुर

प्रति,

.....

.....

.....

प्रेषक :

कुलसचिव,

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर, एवं

बिलासपुर विश्वविद्यालय, बिलासपुर

दो दिवसीय

राष्ट्रीय-कार्यशाला

09-10 सितंबर, 2018

हिमालयी क्षेत्र :
भू-राजनैतिक स्थिति एवं महत्व

आयोजक

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त)
विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर, एवं

बिलासपुर विश्वविद्यालय, बिलासपुर

आयोजन स्थल

महामाया भवन

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय
छत्तीसगढ़, बिलासपुर-495009

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ :

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर की स्थापना छत्तीसगढ़ शासन के अधिनियम क्र. 26/2004 द्वारा की गई है। यह विश्वविद्यालय कोनी-बिरकोना मार्ग पर स्थित है। विश्वविद्यालय का क्षेत्राधिकार संपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य है। राज्य में इस विश्वविद्यालय के छह क्षेत्रीय केंद्र- बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, जगदलपुर, अम्बिकापुर, जशपुर एवं एक उप-क्षेत्रीय केंद्र- कांकेर है। विश्वविद्यालय के संपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में 152 अध्ययन-केंद्र संचालित हैं। विश्वविद्यालय इन केंद्रों के माध्यम से दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के आधार पर राज्य के दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों तक गुणवत्तायुक्त उच्च-शिक्षा प्रदान कर रहा है।

बिलासपुर विश्वविद्यालय :

यह एक राज्य विश्वविद्यालय है जिसकी स्थापना छत्तीसगढ़ विश्वविद्यालय (संशोधन) अधिनियम 2011 की अधिसूचना क्र. 07/2012, 03 फरवरी, 2012 द्वारा की गई है। यह विश्वविद्यालय जून 2012 में अस्तित्व में आया। वर्तमान में बिलासपुर विश्वविद्यालय गाँधी चौक, बिलासपुर स्थित छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के पुराने भवन में संचालित है। बिलासपुर विश्वविद्यालय द्वारा 168 शासकीय, अशासकीय, अनुदान प्राप्त महाविद्यालय को संबद्धता प्रदान की गई है। बिलासपुर विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ के विशाल भू-भाग में समकालीन आवश्यकताओं के अनुरूप शैक्षणिक उपलब्धियों को बढ़ाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

कार्यशाला का उद्देश्य :

हिमालय अनुपम प्राकृतिक सौंदर्य को समेटे भारतीय उपमहाद्वीप के गौरव मुकुट के रूप में विराजमान है। हमें स्वातंत्र्योत्तर काल से ही हिमालयी क्षेत्र की भू-राजनैतिक परिस्थितियों से जुझना पड़ रहा है। इस ऐतिहासिक भारत-भूमि को खंडित करने के प्रयास लगातार होते रहे हैं। आतंकवाद की विभीषिका ने इस क्षेत्र के सुरमय प्राकृतिक वातावरण को न केवल प्रभावित किया है बल्कि भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता को चुनौती दी है। भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करना हम सब का राष्ट्रीय कर्तव्य है। आखिर ऐसी विपरीत परिस्थितियाँ निर्मित होने के क्या कारण रहे हैं? इनका क्या समाधान हो सकता है इस पर वैचारिक मंथन कार्यशाला का मूल उद्देश्य है।

संबंधित विषय :

1. जम्मू कश्मीर : परिचय एवं प्रस्तावना
2. हिमालयी क्षेत्र का भू-राजनैतिक महत्व
3. भारत का उत्तरी सीमांत : ऐतिहासिक संदर्भ
4. तिब्बत और जिनजियांग
5. इस्लामिक आतंक और उत्तरी सीमांत
6. पाक अधिकृत जम्मू-कश्मीर
7. चीन अधिकृत जम्मू-कश्मीर

पंजीयन शुल्क विवरण :

- 5 सितंबर, 2018 तक :

  शोधार्थी रु. 200/-

  प्राध्यापक एवं अन्य रु. 600/-

- 5 सितंबर, 2018 पश्चात : रु. 800/-

(1) **डिमांड ड्रॉफ्ट** (D.D.) : कुलसचिव पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय बिलासपुर, छत्तीसगढ़ के नाम देय।

(बैंक डिमांड ड्रॉफ्ट (D.D.) द्वारा पंजीयन की स्थिति E-mail : seminarchdhindi2017@gmail.com पर बैंक डिमांड ड्रॉफ्ट एवं पंजीयन प्रपत्र इमेल करें तथा D.D. एवं भरा हुआ पंजीयन प्रपत्र 9 सितंबर, 2018 सुबह 10 बजे तक पंजीयन काऊंटर में जमा करें)

(2) **नगद रसीद द्वारा पंजीयन हेतु संपर्क करें :**

(क) डॉ. सुमोना भट्टाचार्य, सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य विभाग, बिलासपुर विश्वविद्यालय, बिलासपुर

(ख) डॉ. संजय तिवारी, प्राध्यापक, शासकीय जे. पी. वर्मा कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, बिलासपुर

(ग) श्री रेशमलाल प्रधान, विभागाध्यक्ष, कम्प्यूटर विभाग, पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय बिलासपुर, छत्तीसगढ़

राष्ट्रीय कार्यशाला के संबंध में जानकारी डॉ. रुचि त्रिपाठी दूरभाष क्र. **9415880815** संजय तिवारी, दूरभाष क्र. **9399171720** अथवा डॉ सुमोना भट्टाचार्य दूरभाष क्र. **9826989300** से प्राप्त कर सकते हैं।

संरक्षक

प्रो. गौरी दत्त शर्मा

माननीय कुलपति, बिलासपुर विश्वविद्यालय, बिलासपुर

प्रो. बंश गोपाल सिंह

माननीय कुलपति, पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय
छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सह-संरक्षक

डॉ. इंदु अनंत

कुलसचिव, बिलासपुर विश्वविद्यालय, बिलासपुर

डॉ. राजकुमार सचदेव

कुलचिव, पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय
छत्तीसगढ़, बिलासपुर

संयोजक

- **डॉ. एच. एस. होता** 9425222658
- **डॉ. संजय तिवारी** 9399171720
- **डॉ. जयपाल सिंह** 9229703055

सह-संयोजक

डॉ. सुमोना भट्टाचार्य

आयोजन सचिव

डॉ. रुचि त्रिपाठी

आयोजन समिति

1. डॉ. बी. एल. गोयल
2. डॉ. बीना सिंह
3. डॉ. अनिता सिंह
4. डॉ. प्रकृति जेम्स
5. डॉ. गौरी शर्मा
6. डॉ. प्रीति रानी मिश्रा
7. डॉ. एस. रूपेन्द्र राव
8. श्री रेशमलाल प्रधान
9. श्री संजीव कुमार लवानियाँ
10. डॉ. पुष्कर दुबे

वक्तागण

1. **आशुतोष भटनागर**

   निदेशक, जम्मू-कश्मीर अध्ययन केंद्र, दिल्ली

2. **पी. स्तोपदान**

   पूर्व राजदूत, कजाकिस्तान

3. **कैप्टन अशोक बंसल**

   रक्षा विशेषज्ञ, नई दिल्ली

4. **प्रभा राव**

   डायरेक्टर, साऊथ एशियन इंस्टीट्यूट स्ट्रेटजिक अफेयर्स (SAISA) नई दिल्ली.

पंजीयन

प्रतिभागी कार्यशाला में पंजीयन के लिए पंजीयन प्रपत्र पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर की वेबसाइट www.pssou.ac.in एवं बिलासपुर विश्वविद्यालय, बिलासपुर की वेबसाइट www.bilaspuruniversity.ac.in से डाउनलोड कर सकते हैं।

पंजीयन प्रपत्र

नाम .....

उम्र.....

लिंग.....

वर्ग (शोधार्थी/स्नातकोत्तर छात्र/शिक्षक एवं अन्य).....

पदनाम.....

संस्था का नाम.....

पता.....

दूरभाष .....

ई-मेल.....

विशेषज्ञता.....

भुगतान की कुल राशि (रु. में).....

बैंक का नाम.....

दिनांक .....

हस्ताक्षर.....

नोट : भरा हुआ पंजीयन प्रपत्र सशुल्क पंजीयनकर्ता के पास अनिवार्य रूप से जमा करें।